WWW.GRADESETTER.COM

Class X
Term-I

Knowledge with Success

Xam idea
[SIMPLIFIED]

संस्कृतम्
(सम्प्रेषणात्मकम्)

(CCE Pattern)
with
VALUE-BASED QUESTIONS

- अनुच्छेदाधारित प्रश्नोत्तराणि
- वी. के. आदर्श प्रश्नपत्राणि
- बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तराणि
- मूल्यपरक प्रश्न
- लघुप्रश्नोत्तरा

Online Resource Centre

WWW.GRADESETTER.COM

WWW.GRADESETTER.COM

Printing History:
First Edition: 2012-13
Second Revised Edition: 2013-14

Price:
Ninety Nine Rupees (₹ 99/-)

ISBN: 978-93-5058-095-0

© Copyright Reserved by the Publishers
All Rights reserved. No part of this book may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted, in any form or by any means, without written permission from the publishers.

Published By:
VK Global Publications Pvt. Ltd.
4323/3, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi-110002
Ph: 91-11-23250105, 23250106 Fax: 91-11-23250141
Email: mail@vkpublications.com www.vkpublications.com

Printed At:
Baba Barkha Nath Printers, Bahadurgarh, Haryana

Every effort has been made to avoid errors or omissions in this publication. In spite of this, some errors might have crept in. Any mistake, error or discrepancy noted may be brought to our notice which shall be taken care of in the next edition. It is notified that neither the publisher nor the author or seller will be responsible for any damage or loss of action to anyone, of any kind, in any manner, therefrom. For binding mistakes, misprints or for missing pages, etc., the publisher's liability is limited to replacement within one month of purchase by similar edition. All expenses in this connection are to be borne by the purchaser.

WWW.GRADESETTER.COM

WWW.GRADESETTER.COM

विषय सूची

खंड 'क': अपठित-अवबोधनम्

1. अपठित-अवबोधनम् 3

खंड 'ख': रचनात्मकं कार्यम्

1. संकेताधारित-अनौपचारिकपत्रम् 20
2. चित्राधारितम्/अनुच्छेदलेखनम् 27

खंड 'ग': अनुप्रयुक्त-व्याकरणम्

1. सन्धिकार्यम् 37
2. समासः 44
3. प्रत्ययाः 49
4. अव्ययः प्रयोगः 54
5. वाच्यपरिवर्तनम् 57
6. समय-लेखनम् 64

खंड 'घ': पठित-अवबोधनम्

1. वाङ्मयं तपः 69
2. आज्ञा गुरूणां हि अविचारणीया 86
3. किं किम् उपादेयम् 106
4. नास्ति त्यागसमं सुखम् 123
5. अभ्यासवशगं मनः 142

- मूल्यपरक प्रश्नाः 159
- वी० के० आदर्श प्रश्नपत्राणि 163

WWW.GRADESETTER.COM

WWW.GRADESETTER.COM

संस्कृतस्य प्रथमसत्रस्य पाठ्यक्रमः
संस्कृतम् (सम्प्रेषणात्मकम्)
कोड – 122
कक्षा–दशमी
प्रथमं सत्रम् (अप्रैल-सितम्बर)

(1) (i) रचनात्मक-मूल्याङ्कनम् – 1 – 10% 20%
(ii) रचनात्मक-मूल्याङ्कनम् – 2 – 10%
(2) संकलनात्मक-मूल्याङ्कनम् – 1 – 30%

1. रचनात्मक-मूल्याङ्कनाय संस्कृते रचनात्मकानि कार्याणि, व्यवहारे संस्कृत—प्रयोगः, गतिविधयः, गृहकार्यम् कक्षाकार्याणि।
2. संकलनात्मकमूल्याङ्कनाय परीक्षणपत्रम् (सितम्बरमासे)। परीक्षणपत्रे चत्वारः खण्डाः भविष्यन्ति—

'क' खण्डः	अपठित-अवबोधनम्	(10)
'ख' खण्डः	रचनात्मक-कार्यम्	(15)
'ग' खण्डः	अनुप्रयुक्त-व्याकरणम्	(30)
'घ' खण्डः	पठित-अवबोधनम्	(35)

खण्डानानुसारं विषयाः मूल्याभारः च

खण्डः	विषयाः	प्रश्नप्रकाराः	प्रश्नसंङ्ख्याः	मूल्यभारः
'क'	अपठित-अवबोधनम्			
(i)	पठनावबोधनम् (एकः अनुच्छेदः)	बहुविकल्पात्मकाः (MCQ) लघूत्तरात्मकाः (SA)		10
		पूर्णभारः		10
'ख'	रचनात्मकं कार्यम्			
(i)	अनौपचारिकपत्रम्	निबन्धात्मकाः	1	5
(ii)	चित्रवर्णनम्/अनुच्छेदलेखनम्		1	10
		पूर्णभारः		15
	अनुप्रयुक्त-व्याकरणम्			
	सन्धिकार्यम्	बहुविकल्पात्मक	1	5
	मासः	बहुविकल्पात्मक	1	6
	याः	लघूत्तरात्मकाः	1	5
	पदानि	लघूत्तरात्मकाः	1	5

WWW.GRADESETTER.COM

WWW.GRADESETTER.COM

(v)	वाच्यपरिवर्तनम्	लघूत्तरात्मकाः	1	5
(vi)	समयलेखनम्	लघूत्तरात्मकाः	1	4
		पूर्णभारः		30
'घ'	पठित-अवबोधनम्			
(i)	गद्यांश	बहुविकल्पात्मकाः/लघूत्तरात्मकाः	1	5
(ii)	पद्यांश	बहुविकल्पात्मकाः/लघूत्तरात्मकाः	1	5
(ii)	नाट्यांशाः	बहुविकल्पात्मकाः/लघूत्तरात्मकाः	1	5
(iv)	भावावबोधनम्	बहुविकल्पात्मकाः	1	4
(v)	श्लोकान्वयः	लघूत्तरात्मकाः	1	4
(vi)	प्रश्न-निर्माणम्	बहुविकल्पात्मकाः	1	4
(vii)	कथाक्रमाः	निबंधात्मकाः	1	4
(viii)	शब्दार्थमेलनम्	बहुविकल्पात्मकाः	1	4
		पूर्णभारः		35
		सम्पूर्णभारः		90
पठित अवबोधन (खण्ड घ) 3-5 अंकानाम् मूल्यसंबंधिताः लघूत्तरात्मकाः प्रश्नाः भविष्यन्ति।				

टिप्पणीः प्रश्नपत्रम् नवति-अङ्कानां भविष्यति

(1) **रचनात्मकं-मूल्याङ्कनम्** (Formative Assessment) 20%

(i) रचनात्मकं– मूल्याङ्कनम् (Formative) 1 – 10%

(ii) रचनात्मकं– मूल्याङ्कनम् (Formative) 2 – 10%

(2) **संकलनात्मकं-मूल्याङ्कनम्** (Summative Assessment) 30% 90 अङ्का

10 अङ्का

खण्डः 'क': अपठित-अवबोधनम्

(एकः गद्यात्मकः खण्डः)

35-40 शब्दपरिमितः गद्यांशः

- एकपदेन पूर्णवाक्येन च अवबोधनात्मकं कार्यम् (6)
- अनुच्छेद-आधारितम् भाषिकं कार्यम् (MCQ) (4)

भाषिककार्याय तत्त्वानि

- वाक्ये कर्तृ-क्रिया पदचयनम्
- कर्तृ-क्रिया-अन्वितिः

WWW.GRADESETTER.COM

WWW.GRADESETTER.COM

- विशेषण-विशेष्य-चयनम्
- सर्वनामप्रयोगः
- पर्याय-विलोमपद-चयनम्

खण्डः 'ख': रचनात्मकं कार्यम् 15 अङ्का
(मणिका-अभ्यासपुस्तक-आधारितम्)

(i) सङ्केताधारितम् अनौपचारिकं पत्रम् (5)
(ii) चित्राधारितम् वर्णनम् अथवा अनुच्छेदलेखनम् (10)

खण्डः 'ग': अनुप्रयुक्तव्याकरणम् 30 अङ्का
(मणिका-अभ्यासपुस्तक-आधारितम्)

- **सन्धिकार्यम्** (5)
  स्वरसन्धिः — दीर्घः, गुणः, वृद्धिः (2)
  व्यञ्जनसन्धिः — परसवर्णं, छत्वं, तुकागमः (2)
  विसर्गसन्धिः — विसर्गस्य उत्वं, रत्वम् (1)
- **समासः** (6)
  तत्पुरुषः (विभक्तिः, नञ्, उपपदः) (2)
  कर्मधारयः (2)
  द्विगुः (2)
- **प्रत्ययाः** (5)
  कृदन्ताः — तव्यत्, अनीयर् (2)
  तद्धिताः — मतुप्, इन्, ठक् (1+1+1)
- **अव्ययपदानि** (5)
  अपि, इव, उच्चैः, एव, नूनम्, पुरा, इतस्ततः अत्र-तत्र, इदानीम्, यथा-तथा, विना, अधुना, वृथा, शनैः

...च्यपरिवर्तनम् (केवलं लट्लकारे) (कर्तृ-कर्म-क्रिया) (5)
...कानां स्थाने शब्देषु समयलेखनम् (4)
...न्य – सपाद – सार्ध – पादोन)

खण्डः 'घ
1. प
(
2
3

WWW.GRADESETTER.COM

WWW.GRADESETTER.COM

खण्डः 'घ': पठित-अवबोधनम् (15)

[मणिका (प्रथमः भागः) पाठ्यपुस्तकम् अधिकृत्य]

1. पाठ्यपुस्तकस्य सामग्रीम् अधिकृत्य अवबोधनात्मकं कार्यम् (5+5+5)
   (i) गद्यांशः (ii) पद्यांशः (iii) नाट्यांशः
   प्रश्नप्रकाराः — एकपदेन पूर्णवाक्येन च प्रश्नोत्तराणि।
   भाषिककार्यम् (बहुविकल्पात्मकाः प्रश्नाः) (4)
2. भावावबोधनम् (4)
3. एकस्य श्लोकस्य अन्वयः (4)
   (रिक्तस्थानपूर्तिद्वारा)
4. वाक्येषु रेखांकितपदानि अधिकृत्य प्रश्नानां निर्माणम् (4)
5. कथाक्रमसंयोजनम् (4)
   (क्रमरहित-वाक्यानां क्रमपूर्वकं संयोजनम्)
6. शब्दार्थाः
   (सन्दर्भे शब्दप्रयोगद्वारा शब्दार्थमेलनद्वारा वा)
   (बहुविकल्पात्मकाः प्रश्नाः)

पाठानां नामानि [पुस्तकम्-मणिका (संस्कृत-पाठ्यपुस्तकम्) (दशमश्रेण्यै)]

पाठसङ्ख्या	पाठनाम
प्रथमः पाठः	वाङ्मयं तपः
द्वितीयः पाठः	आज्ञा गुरूणां ह्यविचारणीया
तृतीयः पाठः	किं किम् उपादेयम्
चतुर्थः पाठः	नास्ति त्यागसमं सुखम्
पञ्चमः पाठः	अभ्यासवशगं मनः

टिप्पणीः उत्तराणि केवलं संस्कृतेन लेखितव्यानि।

WWW.GRADESETTER.COM

WWW.GRADESETTER.COM

पुरोवाक्

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा निर्धारित नवीनतम पाठ्यक्रम सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (CCE) पद्धति पर आधारित यह पुस्तक छात्रों के चतुर्मुखी विकास के लिए निर्मित है। इस पुस्तक में छात्रों के लिए सम्पूर्ण पाठ्य सामग्री सविस्तार प्रस्तुत की गई है जो छात्रों का ज्ञान संवर्धन करने में पूर्णतः सक्षम है। यह नवीनतम पाठ्यक्रम के अनुरूप मुख्यतः विद्यार्थियों को आदर्श दिशा-निर्देश उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। यह पुस्तक प्रथम सत्रीय पाठ्यक्रम से सुसज्जित है। इसकी मुख्य विशेषताएँ इस प्रकार हैं:

- यह पुस्तक पूर्ण रूप से पाठ्यपुस्तकीय सामग्री के स्वमूल्यांकन की शैक्षणिक अवधारणा पर आधारित है।
- अपठित-अवबोधन में कुछ गद्यांश हल सहित तथा अन्य अभ्यास के लिए दिए गए हैं।
- पत्र-लेखन से सम्बन्धित पाठ्य सामग्री हल सहित तथा अभ्यास के लिए भी दी गई है।
- अनुप्रयुक्त-व्याकरण में क्रमशः सम्पूर्ण पाठ्य सामग्री छात्रों के अभ्यासार्थ प्रदान की गई है।
- पठित-अवबोधन में गद्यांश-नाट्यांश-पद्यांश प्रश्नों की शृंखला का विस्तार किया गया है।
- पठित-अवबोधन में अभ्यासार्थ विलोम, पर्याय, हिन्दी अनुवाद, समास, सन्धि आदि की पाठ्य सामग्री विस्तारपूर्वक उपलब्ध है जो इसे अन्य पुस्तकों से अलग बनाती है।
- भावार्थ अवबोधन एवं अन्वय के लिए महत्त्वपूर्ण श्लोकों का चयन किया गया है।
- नवीनतम पाठ्यक्रम के अनुसार पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित मूल्यपरक प्रश्नों का संकलन किया गया है।
- विगत परीक्षाओं में आए हुए गद्यांश, पद्यांश व नाट्यांशों को नवीन पाठ्यक्रमानुसार परिवर्तित किया गया है।
- आदर्श प्रश्न-पत्र हल सहित व अभ्यास के लिए अलग से आदर्श प्रश्न-पत्र दिए गए हैं।

पुस्तक के प्रणयन में जिन्होंने भी प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहायता की है, हम उन सबके कृतज्ञता ज्ञापित करते हैं। पुस्तक के परिष्कार एवं परिमार्जन की दृष्टि से सुधी विद्वानों की आलोचनाओं एवं सुझावों की हमें प्रतीक्षा रहेगी।

WWW.GRADESETTER.COM

WWW.GRADESETTER.COM

खण्डः – क

अपठित–अवबोधनम्

अङ्काः 1

WWW.GRADESETTER.COM

WWW.GRADESETTER.COM

अपठित- अवबोधनम्

विषय एक दृष्टि में

इस खण्ड में अपठित गद्यांश पर आधारित तीन प्रकार के प्रश्न पूछे जाएंगे
(1) एकपदेन उत्तरत
(2) पूर्णवाक्येन उत्तरत
(3) भाषिक कार्यम्।

(1) इसमें 1 (एक) अंक का प्रश्न पूछा जाता है और प्रश्नवाचक शब्द जैसे- कः, का, किम्, कम्, काम्, केन, कै, कस्मै, केभ्यः, काभ्याम्, कस्मात्, कस्य, कस्मिन्, केषाम्, कथम्, कीदृशः, कीदृशी आदि प्रयुक्त होते हैं। प्रश्नों के उत्तर स्वयं खोजकर लिखने होते हैं।

(2) इसमें 1 प्रश्न पूछा जाता है जिसके अंक प्रति प्रश्न 2 (दो) होते हैं। इस प्रश्न का उत्तर ज्यों-का-त्यों लिखने की अपेक्षा पूछे गए प्रश्न को ध्यान में रखकर देना चाहिए। भाषा को बदलकर अनेक वाक्यों को जोड़कर एक वाक्य .. बनाना चाहिए।

(3) इस प्रश्न को पूछने के पीछे मुख्य उद्देश्य भाषा की जानकारी एवं बुद्धि-कौशल का परीक्षण करना होता है। इसमें विशेषण-विशेष्य, कर्ता, कर्म, क्रिया, पर्याय, विलोम, अव्यय, संधि संयोग आदि से सम्बन्धित प्रश्न पूछे जाते हैं। इस प्रश्न के उत्तर विकल्प के रूप में दिए जाते हैं। प्रश्न को ध्यानपूर्वक पढ़कर उत्तर (विकल्प) का चयन करना चाहिए।

WWW.GRADESETTER.COM

WWW.GRADESETTER.COM

[1]

अधोलिखितम् अनुच्छेदम् पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत— 10

भारतस्य पर्यटनस्थलेषु जगत्प्रसिद्धाः अजन्तागुहाः अपि विशेषेण दर्शनीयाः सन्ति। महाराष्ट्रस्य औरङ्गाबादनगरतः किञ्चिदेव दूरे स्थिताः एताः गुहाः वस्तुतः बौद्धभिक्षूणां निवासस्थानानि आसन्। ते अत्रैव स्थित्वा साधनां कुर्वन्ति स्म। गुहानाम् कलाकृतिषु धार्मिकी छाया दृश्यते। अत्र त्रिंशत् गुहाः सन्ति। तासु पञ्चगुहाः 'चैत्यगृहाणि' इति कथ्यन्ते। सर्वाणि प्रवेशद्वाराणि उत्कृष्टाभिः कलाकृतिभिः विशेषतः अलङ्कृतानि दृश्यन्ते। एताः गुहाः तत्कालीनबौद्धसंस्कृतेः उत्कृष्टायाः कलायाः परिचायकाः सन्ति।

1. एकपदेन उत्तरत $1 \times 4 = 4$

(क) काः बौद्धसंस्कृतेः उत्कृष्टायाः कलायाः परिचायकाः?

(ख) अजन्तागुहाः केषां निवासस्थानानि आसन्?

(ग) बौद्धभिक्षवः गुहानां स्थित्वा किं कुर्वन्ति?

(घ) कति गुहाः 'चैत्यगृहाणि' कथ्यन्ते?

2. पूर्णवाक्येन उत्तरत $1 \times 2 = 2$

गुहानाम् प्रवेशद्वाराणि कीदृशानि सन्ति?

3. प्रदत्त विकल्पेभ्यः उचितम् उत्तरं निर्देशानुसारं चित्वा लिखत $1 \times 4 = 4$

(क) प्रथमपंक्तौ 'सन्ति' इति क्रियापदस्य कर्तृपदं किम्?

(i) भारतस्य (ii) दर्शनीयाः (iii) अजन्तागुहाः (iv) जगत्प्रसिद्धाः

(ख) 'स्थिताः' इति पदे कः प्रत्ययः प्रयुक्तः?

(i) क्त (ii) क्त्वा (iii) अनीयर् (iv) मतुप्

(ग) 'निकृष्टायाः' इति पदस्य किं विलोमपदं गद्यांशे प्रयुक्तम्?

(i) अवशिष्टायाः (ii) उत्कृष्टायाः (iii) कलायाः (iv) परिचायकाः

(घ) 'छाया' इति पदस्य किं विशेषणपदं गद्यांशे प्रयुक्तम्?

(i) सर्वासु (ii) दृश्यते (iii) कलाकृतिषु (iv) धार्मिकी

उत्तराणि—**1.** (क) अजन्तागुहाः (ख) बौद्धभिक्षूणां (ग) साधनां (घ) पञ्चगुहाः।

2. गुहानाम् प्रवेशद्वाराणि उत्कृष्टाभिः कलाकृतिभिः विशेषतः अलङ्कृतानि सन्ति।

3. (क) (iii) अजन्तागुहाः (ख) (i) क्त (ग) (ii) उत्कृष्टायाः (घ) (iv) धार्मिकी।

WWW.GRADESETTER.COM

WWW.GRADESETTER.COM

[2] 10

■ **अधोलिखितम् अनुच्छेदम् पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत—**

अद्यत्वे समाजे धनस्य वर्चस्वम् सर्वत्र दृश्यते। यः जनः धनी भवति, तस्मिन् एव सर्वे गुणाः दृश्यन्ते, स एव बुद्धिमान्, गुणवान् च मन्यते। दृश्यते एव जनाः धनवन्तम् नरम् एव मुख्यातिथि—रूपेण निमन्त्रितम् कुर्वन्ति, न तु गुणवन्तम् जनम्। अतएव धनी जनः गुणहीनः भूत्वा अपि सम्मानं लभते। धनस्य बलेन जनाः शिक्षाम् अपि क्रीणन्ति, उपाधिं प्राप्नुवन्ति, यद्यपि तेषाम् समीपे ज्ञानम् न भवति। निर्धनः जनः बुद्धिमान् भूत्वा अपि धनाभावे शिक्षाम् प्राप्तुम् न शक्नोति। सत्यम् एव उक्तम्— "सर्वे गुणाः काञ्चनम् आश्रयन्ति"।

■ **1. एकपदेन उत्तरत** 1× 4 = 4

(क) सर्वे गुणाः किम् आश्रयन्ति?

(ख) कः गुणहीनः भूत्वा अपि सम्मानं लभते?

(ग) जनाः धनवन्तम् नरम् कस्मिन् रूपे निमन्त्रितम् कुर्वन्ति?

(घ) कस्य बलेन जनाः शिक्षाम् अपि क्रीणन्ति?

■ **2. पूर्णवाक्येन उत्तरत** 1× 2 = 2

निर्धनः जनः किमर्थम् शिक्षाम् प्राप्तुम् न शक्नोति?

■ **3. प्रदत्तविकल्पेभ्यः उचितम् उत्तरं निर्देशानुसारम् चित्वा लिखत** 1× 4 = 4

(क) 'निर्धनः' इति पदस्य विशेष्यपदम् किम्?

(i) जनः (ii) जनम् (iii) जनाः (iv) जनैः

(ख) 'क्रीणन्ति' इति क्रियापदस्य कर्तृपदम् किम्?

(i) धनवान् (ii) गुणवान् (iii) जनाः (iv) शिक्षाम्

(ग) 'स एव बुद्धिमान्' अत्र स इति सर्वनामस्थाने संज्ञापदं किम्?

(i) निर्धनः (ii) धनी (iii) गुणी (iv) ज्ञानी

(घ) 'प्रभावः' इत्यर्थे अत्र किम् पदम्?

(i) अद्यत्वे (ii) सर्वत्र (iii) दर्शनीयः (iv) वर्चस्वम्

उत्तराणि — **1.** (क) काञ्चनम् (ख) धनी जनः (ग) मुख्यातिथिरूपेण (घ) धनस्य।

2. निर्धनः जनः धनाभावे शिक्षाम् प्राप्तुम् न शक्नोति।

3. (क) (i) जनः (ख) (iii) जनाः (ग) (ii) धनी (घ) (iv) वर्चस्वम्।

[3] 10

■ **अधोलिखितम् अनुच्छेदम् पठित्वा प्रदत्तप्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत—**

एकस्य प्रजावत्सलस्य नृपस्य प्रबला इच्छा आसीत् यत् तस्य राज्ये कोऽपि बुभुक्षितः न भवेत्, सर्वेषाम् मनोरथाः पूर्णाः स्युः। अस्मात् कारणात् सः अन्नानि वस्त्राणि च उत्पाद्य चिकित्सालयान्

WWW.GRADESETTER.COM

WWW.GRADESETTER.COM

...नानि च निर्माय प्रजायाः सुख-सुविधायै प्रायतत। परन्तु लोभाविष्टानाम् जनानाम् कोऽपि ... नासीत्। अभीष्टानि वस्तूनि प्रदाय राज्ञः साधनानि सीमितानि अभवन्। शनैः शनैः राजा रुग्णः ... एकः साधुः राज्ञः रुग्णतामाकर्ण्य तं द्रष्टुमागच्छत्। साधुः अवदत् , "राजन्! तव दुःखस्य कारण... स्वयमेव असि। तव चिन्तने दोषोऽस्ति। सर्वे मनोरथाः कदापि पूर्णाः न भवन्ति, ते अमरलताः ... प्रसरन्ति। वस्तुतः कामनापूर्त्याम् सुखं नास्ति अपितु तासाम् नियमने सुखमस्ति।" साधोः वार्ता ... राजा सत्यस्य अवबोधनं कृत्वा स्वदोषं दूरीकृतवान्, स्वस्थः चाभवत्।

1. एकपदेन उत्तरत 1×4...

(क) नृपः कीदृशः आसीत्?

(ख) नृपम् द्रष्टुम् कः आगतः?

(ग) नृपस्य दोषः कुत्र आसीत्?

(घ) राजा किं दूरीकृतवान्?

2. पूर्णवाक्येन उत्तरत 2×1=...

राज्ञः का प्रबला इच्छा आसीत्?

3. प्रदत्तविकल्पेभ्यः उचितम् उत्तरं निर्देशानुसारम् चित्वा लिखत 1×4=...

(क) 'दूरीकृतवान्' अस्य क्रियापदस्य कर्तृपदं किम्?

(i) साधुः (ii) राजा (iii) प्रजा (iv) दोषः

(ख) 'दुःखम्' इति पदस्य विलोमपदं किम्?

(i) कष्टम् (ii) दोषः (iii) सुखम् (iv) दोषम्

(ग) 'अभीष्टानि' इति पदस्य किं विशेष्यपदम् अत्र प्रयुक्तम्?

(i) वस्तूनि (ii) साधनानि (iii) सीमितानि (iv) अन्नानि

(घ) 'नृपस्य' इति पदस्य किं समानार्थकपदम् अत्र प्रयुक्तम्?

(i) एकस्य (ii) प्रज्ञावत्सलस्य (iii) सत्यस्य (iv) राज्ञः

उत्तराणि— 1. (क) प्रजावत्सलः (ख) साधुः (ग) तस्य चिन्तने (घ) स्वदोषं।

2. राज्ञः प्रबला इच्छा आसीत् यत् तस्य राज्ये कोऽपि बुभुक्षितः न भवेत्, सर्वेषां मनोरथाः पूर्णाः स्युः।

3. (क) (ii) राजा (ख) (iii) सुखम् (ग) (i) वस्तूनि (घ) (iv) राज्ञः।

[4]

अधोलिखितम् अनुच्छेदं पठित्वा प्रदत्तप्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत–

अस्मिन् संसारे सज्जनाः दुर्जनाः च इति द्विविधाः जनाः वसन्ति। सज्जनाः स्वाचरणेन सर्वान् जनान् प्रीणयन्ति। सत्पुरुषाः हंस-तुल्याः भवन्ति यथा हंसः संसारे दुग्धं गृह्णाति जलं च त्यजति तथैव 10

सज्जनाः अपि गुण... सहानुभूतिः, सहयो... सज्जानानां प्रशंसा...

1. एकपदेन उत्त...

(क) स्वाचरणे...

(ख) संसारे ...

(ग) विपरीत...

(घ) शास्त्रे...

2. पूर्णवाक्ये...

सत्पुरुषाः ...

3. प्रदत्तवि...

(क) '...

(ख)

(ग)

(घ

WWW.GRADESETTER.COM

WWW.GRADESETTER.COM

सज्जनाः अपि गुणान् गृहीत्वा दुर्गुणान् परित्यजन्ति। सत्पुरुषाणां हृदयेषु सर्वान् प्रति स्नेहः, दया, सहानुभूतिः, सहयोगभावः च भवति। दुर्जनाः तु सर्वत्र विपरीतम् आचरन्ति। अस्माकं शास्त्रेषु सज्जनानां प्रशंसा दुष्टानां च निन्दा कृता। वयं सदा सज्जनानां मार्गम् अनुसरेम।

1. एकपदेन उत्तरत $1 \times 4 = 4$

(क) स्वाचरणेन जनान् के प्रीणयन्ति?

(ख) संसारे कति विधाः जनाः वसन्ति?

(ग) विपरीतम् आचरणम् के कुर्वन्ति?

(घ) शास्त्रेषु केषां प्रशंसा कृता?

2. पूर्णवाक्येन उत्तरत $2 \times 1 = 2$

सत्पुरुषाः हंसतुल्याः कथं भवन्ति?

3. प्रदत्तविकल्पेभ्यः उचितम् उत्तरं निर्देशानुसारम् चित्वा लिखत $1 \times 4 = 4$

(क) 'परित्यजन्ति' इति क्रियापदस्य कर्तृपदं किम्?

(i) दुर्जनाः (ii) सत्पुरुषाः (iii) वयं (iv) हंसः

(ख) 'सर्वान्' पदस्य विशेष्यपदं किमस्ति?

(i) गुणान् (ii) दुर्गुणान् (iii) जनान् (iv) सज्जनाः

(ग) 'प्रशंसा' पदस्य विलोमपदम् अत्र किं प्रयुक्तम्?

(i) दुर्जनाः (ii) निन्दा (iii) दयां (iv) दुष्टानां

(घ) 'प्रसन्नं कुर्वन्ति' इत्यस्य पर्यायपदं अत्र किम् प्रयुक्तम्?

(i) प्रीणयन्ति (ii) वसन्ति (iii) पीडयन्ति (iv) अनुसरेम

उत्तराणि— **1.** (क) सज्जनाः (ख) द्विविधाः (ग) दुर्जनाः (घ) सज्जनानां।

2. यथा हंसः संसारे दुग्धं गृह्णाति जलं च त्यजति तथैव सज्जनाः अपि गुणान् गृहीत्वा दुर्गुणान् परित्यजन्ति, अतएव सत्पुरुषाः हंसतुल्याः भवन्ति।

3. (क) (ii) सत्पुरुषाः (ख) (iii) जनान् (ग) (ii) निंदा (घ) (i) प्रीणयन्ति।

[5]

अधोलिखितम् अनुच्छेदं पठित्वा प्रदत्तप्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत— 10

सत्यपालनेनैव जीवनस्य प्रगतिः वर्तते। सत्यपालने त्रिविधाः श्रेणयः सन्ति। मनसा, वाचा, कर्मणा इति त्रिभिः प्रकारैरेव सत्यपालनं कर्तव्यम्। श्रीहरिश्चन्द्रेण वाचा सत्यपालनं कृतम्। श्रीरामेण मनसा

WWW.GRADESETTER.COM

WWW.GRADESETTER.COM

सत्यपालनं कृतम्। श्रीकृष्णेन कर्मणा सत्यपालनं कृतम्। एते महापुरुषा: सत्यपालनस्य प्रतीकभू विद्यन्ते। अत एव अधुनापि तेषां नामानि विश्वप्रसिद्धानि प्रात:स्मरणीयानि च सन्ति। अस्मा भारतसर्वकारस्य राजचिह्न 'सत्यमेव जयते' इति ध्येयवाक्यम् उट्टङ्कितम् अस्ति। सत्यं सर्वे गुणानां श्रेष्ठं मन्यते। सत्यवादिनां मनस्येव भगवान् विराजते।

1. एकपदेन उत्तरत 1×4 =

(क) केन वाचा सत्यपालनं कृतम्?

(ख) केन जीवनस्य प्रगति: वर्तते?

(ग) केषां मनसि भगवान् विराजते?

(घ) अधुनापि महापुरुषाणां नामानि कीदृशानि सन्ति?

2. पूर्णवाक्येन उत्तरत 2×1 =

भारतराजचिह्ने किम् उट्टङ्कितमस्ति?

3. प्रदत्तविकल्पेभ्य: उचितं उत्तरं निर्देशानुसारं चित्वा लिखत 1×4 =

(क) 'जयते' क्रियापदस्य कर्तृपदं किम्?

(i) अस्माकम् (ii) ध्येयवाक्यम् (iii) सत्यम् (iv) उट्टङ्कितम्

(ख) 'सर्वेषां' पदं कस्य विशेषणं वर्तते?

(i) श्रेष्ठम् (ii) गुणानाम् (iii) महापुरुषाणां (iv) मन्यते

(ग) 'तेषाम्' सर्वनामशब्द: केभ्य: प्रयुक्त:?

(i) नामेभ्य: (ii) विश्वेभ्य: (iii) प्रात:कालाय (iv) महापुरुषेभ्य:

(घ) 'ऋतम्' पदस्य पर्यायपदं गद्यांशे किं प्रयुक्तम्?

(i) पालनम् (ii) प्रतीकभूता: (iii) सत्यम् (iv) प्रगति:

उत्तराणि— 1. (क) श्रीहरिश्चन्द्रेण (ख) सत्यपालनेन (ग) सत्यवादिनां (घ) विश्वप्रसिद्धानि।

2. भारतराजचिह्ने 'सत्यमेव जयते' इति ध्येयवाक्यम् उट्टङ्कितम् अस्ति।

3. (क) (iii) सत्यम् (ख) (ii) गुणानाम् (ग) (iv) महापुरुषेभ्य: (घ) (iii) सत्यम्।

WWW.GRADESETTER.COM

WWW.GRADESETTER.COM

A Unique Concept of e-Learning

Xamidea.in is a consolidated effort of varied educationists to provide students with a wide ranging support that caters to crunch-time preparation before exams, but also to provide step-by-step learning for a comprehensive grasp of the subject matter.

It offers the readers a great platform to connect and communicate with subject experts. It also opens a window of opportunities for an interactive dialogue with fellow readers. The healthy interaction adds new horizons to the process of learning and exposes the learners to a host of new avenues for subject specialization.

Online Resource Centre

@ Xamidea.in

Visit the online resource centre for extra materials to enhance your learning, including:

- Resource Material
- Learners Community
- Ask an Expert
- Worksheets

VK Global Publications Pvt. Ltd.

ISBN 935058095-0

9 789350 580950

WWW.GRADESETTER.COM